हिन्दुस्तान

Newswrap ● हिन्दुस्तान टीम,हापुड़

Fri, 25 Nov 2022 10:55 PM

हमें फॉलो करें

बाबूगढ़ के कृषि विज्ञान केन्द्र के सभागार में के.वी.के. की चतुर्थ वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कृषकों के विकास के लिए कार्य योजना को लेकर चर्चा की गई।

शुक्रवार को बैठक कृषि विश्वविद्यालय, मेरठ के संयुक्त निदेशक प्रसार डा० सतेन्द्र कुमार खारी की अध्यक्षता में केन्द्र की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी कार्ययोजना के बारे में प्रस्तुत की गई। बैठक में मुख्य अतिथि नरेन्द्र कुमार अग्रवाल सुझाव देते हुये कहा कि क्षेत्र की समस्याओं के आधार पर प्रक्षेत्र, प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कराये । संयुक्त निदेशक प्रसार, डा० सतेन्द्र कुमार खारी ने वैज्ञानिक तरीके एवं पद्धति से खेती करने का सुझाव दिया और साथ ही साथ मूल्यवर्धन उत्पादों पर चर्चा की। उपनिदेशक कृषि ने बोलते हुये केन्द्र के वैज्ञानिकों को सुझाव देते हुये कहा कि वे कृषकों की आय दुगनी कराने हेतु मशरूम की खेती का प्रशिक्षण केन्द्र पर कराने एवं वैज्ञानिक विधि से खेती करने के लिये कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन एवं प्रशिक्षणों का आयोजन भी कराया जायें। डा. डी.के.सिंह, डी.डी.एम., नाबार्ड द्वारा एफ.पी.ओं के बारे विस्तृत चर्चा की। बैठक की शुरूआत करते हुये केन्द्र के अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह ने केंन्द्र की जनवरी से अक्टूबर की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी कार्ययोजना वर्ष 2023-24 प्रस्तुत की। केन्द्र द्वारा किये जा रहे प्रयासों को समिति के समक्ष रखा। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. पी.के. मडके ने पशुपालन विभाग एवं डा. वीरेन्द्र गंगवार ने उद्यान विषयक से सम्बन्धित की आगामी कार्ययोजना वर्ष 2023-24 में प्रदर्शनों एवं प्रशिक्षणों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया । केन्द्र के वैज्ञानिक डा. क.जी. यादव, सह प्राध्यापक शस्य विज्ञान ने कृषि विज्ञान ने वैज्ञानिकों को कृषकों के हित में विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन उनकी रूचि के अनुरूप तैयार करने को कहा। डा. हरीओम कटियार सहा. प्राध्यापक (उद्यान), प्रसार निदेशालय कृषि विश्वद्यिालय ने प्रशिक्षणों एवं प्रदर्शनों द्वारा कृषको की आय दुगनी करने में विभिन्न फसलों की तकनीकी के बारे में चर्चा की। डा० लक्ष्तीकांत, पादप प्रजनन वैज्ञानिक ने पादप प्रजनन की आगाती कार्ययोजना पर चर्चा की । डा. अशोक सिंह ने मृदा विज्ञान एवं प्रक्षेत्र पर किये जा रहे प्रदर्शनों एवं प्रशिक्षणों के बारे में समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। केन्द्र की गृह विज्ञान विश्व०वि० डा. विनिता सिंह ने पोषण थाली एवं गृह विज्ञान से सम्बन्धित आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। केन्द्र की कृषि प्रसार वि०व०वि० डा. नीलम कुमारी ने कृषि प्रसार एवं कृषि प्रसार से सम्बन्धित आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में वैज्ञानिक सलाहकार समिति के समानित सदस्य विकास त्यागी, रामकुमार, कविता शामिल रहे।

एवं प्रशिक्षण कराये । संयुक्त निदेशक प्रसार, डा० सतेन्द्र कुमार खारी ने वैज्ञानिक तरीके एवं पद्धति से खेती करने का सुझाव दिया और साथ ही साथ मूल्यवर्धन उत्पादों पर चर्चा की। उपनिदेशक कृषि ने बोलते हुये केन्द्र के वैज्ञानिकों को सुझाव देते हुये कहा कि वे कृषकों की आय दुगनी कराने हेतु मशरूम की खेती का प्रशिक्षण केन्द्र पर कराने एवं वैज्ञानिक विधि से खेती करने के लिये कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन एवं प्रशिक्षणों का आयोजन भी कराया जायें। डा. डी.के.सिंह, डी.डी.एम., नाबार्ड द्वारा एफ.पी.ओं के बारे विस्तृत चर्चा की। बैठक की शुरूआत करते हुये केन्द्र के अध्यक्ष डा. हंसराज सिंह ने केंन्द्र की जनवरी से अक्टूबर की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी कार्ययोजना वर्ष 2023-24 प्रस्तुत की। केन्द्र द्वारा किये जा रहे प्रयासों को समिति के समक्ष रखा। केन्द्र के वैज्ञानिक डा. पी.के. मडके ने पशुपालन विभाग एवं डा. वीरेन्द्र गंगवार ने उद्यान विषयक से सम्बन्धित की आगामी कार्ययोजना वर्ष 2023-24 में प्रदर्शनों एवं प्रशिक्षणों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया । केन्द्र के वैज्ञानिक डा. क.जी. यादव, सह प्राध्यापक शस्य विज्ञान ने कृषि विज्ञान ने वैज्ञानिकों को कृषकों के हित में विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन उनकी रूचि के अनुरूप तैयार करने को कहा। डा. हरीओम कटियार सहा. प्राध्यापक (उद्यान), प्रसार निदेशालय कृषि विश्वद्यिालय ने प्रशिक्षणों एवं प्रदर्शनों द्वारा कृषको की आय दुगनी करने में विभिन्न फसलों की तकनीकी के बारे में चर्चा की। डा० लक्ष्तीकांत, पादप प्रजनन वैज्ञानिक ने पादप प्रजनन की आगाती कार्ययोजना पर चर्चा की । डा. अशोक सिंह ने मृदा विज्ञान एवं प्रक्षेत्र पर किये जा रहे प्रदर्शनों एवं प्रशिक्षणों के बारे में समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। केन्द्र की गृह विज्ञान विश्व०वि० डा. विनिता सिंह ने पोषण थाली एवं गृह विज्ञान से सम्बन्धित आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। केन्द्र की कृषि प्रसार वि०व०वि० डा. नीलम कुमारी ने कृषि प्रसार एवं कृषि प्रसार से सम्बन्धित आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में वैज्ञानिक सलाहकार समिति के समानित सदस्य विकास त्यागी, रामकुमार, कविता शामिल रहे।